University in News on 24 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

वास्तु शास्त्र भारतीय परंपरा का अहम अंग : अजय

लखनऊ। लविवि के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में बुधवार को वास्तुशास्त्र के शास्त्रीय सिद्धांतों का व्यावहारिक उपयोग पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता वास्तु शास्त्र विशेषज्ञ अजय गौर ने बताया कि वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परंपरा का अभिन्न अंग है। ऋषि-मुनियों ने सूक्ष्मरूप से पंचतत्त्वों के शरीर और मन पर प्रभाव का अध्ययन कर इस शास्त्र का निर्माण किया है।

अजय गौर ने कहा कि वास्तु और ज्योतिष एक दूसरे के पूरक है। वास्तु में एक शब्द दिक्काल यानि दिक और काल आता है। दिक् का अर्थ दिशा और काल का समय होता है। ज्योतिष में समय का ज्ञान किया जाता है और वास्तु में दिशाओं पर अध्ययन किया जाता है। यदि किसी की जन्मपत्री में सूर्य लग्न में हो तो जातक के घर में ऊर्जा पूर्व की दिशा से आए यानी पूर्व दिशा में खुला होगा या खिड़कियां अधिक होंगी और सूर्य के साथ मंगल और केतु भी बैठा है तो जातक के घर के सामने सड़क आ रही होगी।

यदि किसी की कुंडली में प्रथम भाव में शनि बैठा है तो घर की पूर्व दिशा में प्रकाश की कमी होगी यानी खिड़कियां नहीं होगी या फिर सामने कोई भारी मकान बना होगा, जिससे घर में प्रकाश नहीं आएगा। जैसे हर व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, उसी तरह से हर व्यक्ति का वास्तु अलग होता है। (संवाद)

शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है योग

लखनऊ। लविवि के योग विभाग और इंडियन योग फेडरेशन की ओर से भारत में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा पर सम्मेलन हुआ। वियतनाम से आईं योग विशेषज्ञ थी थान थुई ने बताया कि भारत की प्राचीन योग विद्या वियतनाम तक पहुंची। फैम थी कक ने कहा, योग शारीरिक व मानसिक रूप से मनुष्य को सशक्त बनाता है। संकाय के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि भारत के कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों और राज्य विवि सहित निजी विश्वविद्यालय में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा दी जा रही है। फैकल्टी के अधिष्ठाता प्रो. अशोक कुमार सोनकर ने बताया कि योग जीवन पद्धति है। अध्यक्षता केजीएमयू के डीएसडबल्यू प्रो. आरएएस कुशवाहा ने की। प्रो. माखन लाल, डॉ. सत्येंद्र कुमार मिश्रा, डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. रामनरेश, डॉ. रामकिशोर, इशिता अरोरा, प्रियंका राय, शोभित सिंह थे। (संवाद)

NBT PAGE 5

एलयू में योग विभाग की तरफ से प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा पर हुई कॉन्फ्रेंस में बोले वक्ता।

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः खराब जीवन शैली के कारण आज लोग उच्च रक्तचाप, डायबीटीज, मोटापा, अनिद्रा, दमा, जोड़ों के दर्द जैसी कई बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। यह सभी बीमारियां खराब जीवन शैली के कारण होती हैं। प्रतिदिन योग के आसन, प्राणायाम, ध्यान तथा योगिक आहार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने के साथ ही रोगों से निजात पाई जा सकती है। विद्यार्थियों को इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है। ये बातें केजीएमयू के प्रो. आरएएस कुशवाहा ने एलयू में कहीं।

विवि के योग विभाग व इंडियन योग फेडरेशन की ओर से न्यू कैंपस में प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा पर कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के डीन डॉ. माखन लाल ने कहा कि योग का अभ्यास किसी के सानिध्य में रहकर करना चाहिए। गलत आसन करने से पूरा लाभ नहीं मिलता और लोगों को लगता है कि योग से फायदा नहीं होता। इसलिए किसी के सानिध्य में इसे पहले सीखें और दिनचर्या को नियमित रखें। वियतनाम से आईं योग विशेषज्ञ थी थान थुई ने बताया कि भारत की प्राचीन योग विद्या भारतीय विद्वानों से वियतनाम तक फैली।

JANSATTA PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया के तहत समर्थ पोर्टल के माध्यम से सत्र 2025-26 के पंजीकरण (एलयूआरएन) व स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आनलाइन प्रवेश आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया 17 अप्रैल दोपहर 12 बजे से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक

वेबसाइट पर इस संबंध में जानकारी अपलोड कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक पंकज माथुर का कहना है कि लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध डिग्री कालेज में नए सत्र में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के लिए एलयूआरएन का पंजीकरण अनिवार्य है। लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए जनरल और ओबीसी कैटेगरी के उम्मीदवारों को 800 रुपए का आवेदन शुल्क देना होगा, जबकि एससी, एसटी और पीडब्लूबीडी उम्मीदवारों को 400 रुपए देना होगा। यूजी प्रोफेशनल कोर्सेस (बीबीए, बीसीए) के लिए जनरल और ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों को 1000 रुपए का आवेदन शुल्क देना होगा, जबकि एससी, एसटी और पीडब्लूबीडी उम्मीदवारों को 500 रुपए देना होगा। डीफार्म कोर्सेस के लिए जनरल और ओबीसी कैटेगरी के उम्मीदवारों को 1000 रुपए का आवेदन शुल्क देना होगा, जबकि एससी, एसटी और पीडब्लूबीडी उम्मीदवारों को 500 रुपए देना होगा।

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल, 2025

JAGRAN CITY PAGE III

भारतीय योग विद्या से सेहत सुधार रहे हैं वियतनाम के लोग

जागरण संवाददाता • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन और इंडियन योग फेडरेशन की ओर से बुधवार को 'भारत में योग और प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें वियतनाम से आईं योग विशेषज्ञ थी थान थुई ने बताया कि भारत की प्राचीन योग विद्या वियतनाम तक पहुंच कर वहां लोगों के स्वास्थ्य संवर्धन में अहम भूमिका निभा रही है। यहां बहुत से लोग अपनी दिनचर्या में योग को शामिल कर रहे हैं।

वियतनाम से आए योग विशेषज्ञ ने कहा कि योग केवल शरीर नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक शक्ति भी बढ़ाता है। लीन डाओ ने बताया कि वियतनाम में हजारों विद्यार्थी इस प्राचीन भारतीय परंपरा को अपनाकर अपने जीवन को बेहतर बना रहे हैं। केजीएमयू के प्रो. आरएस कुशवाहा ने कहा कि गलत जीवनशैली की वजह से आज डायबिटीज, मोटापा, अनिद्रा, अस्थमा, जोड़ों का दर्द जैसी बीमारियां आम हो गई हैं। यदि विद्यार्थी और आमजन नियमित रूप से योग, प्राणायाम, ध्यान और संतुलित आहार अपनाएं तो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर इन बीमारियों से बचा जा सकता है। राजकीय आयुर्वेदिक कालेज के डीन प्रो. माखन लाल ने कहा, योग का अभ्यास प्रशिक्षित व्यक्ति की देखरेख में करना चाहिए। संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक कुमार सोनकर ने कहा कि योग कोई विषय नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है, जो जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन और स्वास्थ्य लाती है। कार्यक्रम में डा. सत्येंद्र कुमार मिश्रा, डा. उमेश कुमार शुक्ला, डा. सुधीर कुमार, डा. रामनरेश, डा. रामकिशोर, इशिता अरोरा, प्रियंका राय, शोभित सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में वियतनाम से आए योग विशेषज्ञों के साथ कार्यक्रम के समन्वयक अमरजीत यादव व अन्य •

योग और प्राणायाम से कम करें मोटापा : कार्यक्रम के समन्वयक डा. अमरजीत यादव ने बताया कि मोटापा दूर करने के लिए ताड़ासन, त्रिकोणासन, कोणासन और सूर्य नमस्कार उपयोगी हैं। अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम भी वजन कम करने में सहायक हैं। इन योगों को नियमित करने से शरीर में चर्बी कम होती है। मेटाबालिज्म बढ़ता है। कमर के आसपास की चर्बी भी इससे कम होती है। मोटापे से प्रभावित लोगों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास जरूर करना चाहिए।

PIONEER PAGE 3

वास्तु और ज्योतिष एक दूसरे के पूरक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में बुधवार को विशिष्ट व्याख्यान सम्पन्न हुआ। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर अरविंद मोहन की अध्यक्षता में वास्तुशास्त्र के शास्त्रीय सिद्धान्तों का व्यावहारिक उपयोग विषयक व्याख्यान किया गया। ज्योतिर्विज्ञान के संयोजक डॉ सत्यकेतु द्वारा वास्तुशास्त्र के विशिष्ट वक्ता अजय गौर का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए वास्तुशास्त्र की महत्ता का प्रतिपादन किया। उन्होंने बताया कि वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग है। प्राचीन भारतीय ऋषि-मुनियों ने बहुत ही सूक्ष्मरूप से पंचतत्त्वों के शरीर एवं मन पर प्रभाव का अध्ययन कर इस शास्त्र का निर्माण किया है।

आए हुए विशिष्ट वक्ता अजय गौर ने कहा कि वास्तु और ज्योतिष एक दूसरे के पूरक है । आपने कहा कि वास्तु में एक शब्द आता है दिक्काल यानि दिक और काल। दिक् का अर्थ होता है दिशा और काल का अर्थ होता है समय। ज्योतिष में समय का ज्ञान किया जाता है और वास्तु में दिशाओं पर अध्ययन किया जाता है। यदि किसी की जन्मपत्री में सूर्य लग्न में हो तो जातक के घर में ऊर्जा पूर्व की दिशा से आए यानी पूर्व दिशा में खुला होगा या खिड़कियाँ अधिक होंगी और सूर्य के साथ मंगल और केतु भी बैठा है तो जातक के घर के सामने रोड आ रही होगी। इसी प्रकार से यदि किसी की कुंडली में प्रथम भाव में शनि बैठा है तो जातक के घर की पूर्व दिशा में प्रकाश की कमी होगी यानी खिड़कियां नहीं होगी या फिर सामने कोई भारी मकान बना होगा जिससे घर में प्रकाश नहीं आएगा । जैसे हर व्यक्ति की कुंडली भिन्न-भिन्न होती है इसी प्रकार से हर व्यक्ति का वास्तु अलग होता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार पोरवाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सत्यकेतु ने किया। ज्योतिर्विज्ञान विभाग के अन्य अध्यापक डॉ बिपिन कुमार पांडेय, डॉ अनुज कुमार शुक्ल, डॉ प्रवीण कुमार बाजपेई, कोमल सिंह तथा 100 के लगभग छात्र-छात्राएं एवं अध्यापक उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

कार्यशाला लखनऊ विवि में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

योग उच्च रक्तचाप से जोड़ों के दर्द तक कारगर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उच्च रक्तचाप से लेकर डायबिटीज, मोटापा, अनिद्रा, दमा, जोड़ों के दर्द तक में योग और प्राणायाम कारगर है। छात्र-छात्राओं और जनसामान्य को योग जीवन शैली अपनाने और यौगिक आहार से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित योग और नेचुरोपैथी कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया। योग के जानकार प्रो. आरएएस कुशवाहा ने बताया कि वर्तमान में विभिन्न प्रकार की गलत जीवन शैली के कारण बीमारियां हो रही हैं। विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंडियन योग फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में भारतवर्ष में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा विषयक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर आरएएस कुशवाहा डीन स्टूडेंट वेलफेयर केजीएमयू द्वारा की गई। प्रोफेसर माखन लाल प्राचार्य डीन, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज थे। संकाय के समन्वयक डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि भारतवर्ष के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं राज्य विश्वविद्यालयों सहित निजी विश्वविद्यालय में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा दी जा रही है। योग ऐसी विधा है जो व्यक्ति के अंदर निहित शक्तियों के द्वारा सामंजस्य स्थापित करता है। फैकल्टी के अधिष्ठाता प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर ने बताया कि योग विषय ना होकर एक जीवन पद्धति है। वियतनाम से आई योग विशेषज्ञ मिस थी थान थुई ने बताया कि भारत की प्राचीन योग विद्या भारतीय विद्वानों द्वारा वियतनाम तक फैली जो वहां के जनसामान्य लोगों के स्वास्थ्य संवर्धन में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर फैकल्टी के समस्त शिक्षकगण डॉ. सत्येंद्र कुमार मिश्रा, डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. रामनरेश, डॉ. रामकिशोर, इशिता अरोरा प्रियंका राय, शोभित सिंह के साथ-साथ सैकड़ो की संख्या में विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी और डॉ. अमरजीत यादव। अमृत विचार

ज्योतिर्विज्ञान विभाग में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के कला संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर अरविंद मोहन की अध्यक्षता में वास्तुशास्त्र के शास्त्रीय सिद्धान्तों का व्यावहारिक उपयोग विषयक व्याख्यान किया गया। ज्योतिर्विज्ञान के संयोजक डॉ. सत्यकेतु द्वारा वास्तुशास्त्र के विशिष्ट वक्ता अजय गौर का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए वास्तुशास्त्र की महत्ता का प्रतिपादन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार पोरवाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सत्यकेतु ने किया।

THE PIONEER PAGE 2

LU PAYS HOMAGE TO TERROR ATTACK VICTIMS

Meanwhile, Lucknow University paid tributes to those killed in the terrorist attack in Pahalgam at the Radha Kamal Mukherjee auditorium of the university.

In the condolence meeting, LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai presented the condolence motion. The motion said, "The Lucknow University family expresses condolences to the people killed in the gruesome terrorist attack on tourists in Pahalgam in Kashmir Valley. The brutal terrorist attack on tourists in Pahalgam, Jammu and Kashmir, is highly condemnable. The Lucknow University family pays tribute to all those who died in this incident and wishes for the speedy recovery of the injured."

In the condolence meeting, Lucknow University vice-chancellor, controller of examinations, registrar, all administrative officers, deans of various faculties, heads of departments and more than 400 teachers, staff and students paid their tributes to the deceased.

एलयू ने दी पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में मृतकों को लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को परिसर स्थित राधा कमल मुखर्जी सभागार में श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा मे कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। प्रोफेसर राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार की यह शोक सभा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए वीभत्स आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त करती है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर किया गया नृशंस आतंकी हमला अत्यंत ही निंदनीय है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार इस दुर्घटना में मृत सभी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है। यह सभा ईश्वर से प्रार्थना करती है कि पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें। शोक सभा में प्रति-कुलपति, परीक्षा नियंत्रक, कुलानुशासक, विश्वविद्यालय के तमाम प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष समेत लगभग 400 से अधिक शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

भारत की प्राचीन योग विद्या वियतनाम तक फैली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंडियन योग फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को भारतवर्ष में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा विषयक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। संकाय के समन्वयक डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में योग शिक्षा की महत्ता पर बल दिया गया है। योग से स्कूली एवं विश्वविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं चरित्र निर्माण किया जा सकता है।

प्रोफेसर आर.ए.एस. कुशवाहा ने बताया कि वर्तमान में विभिन्न प्रकार की गलत जीवन शैली के कारण बीमारियां हो रहे हैं। जिनमें उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, मोटापा, अनिद्रा, दमा, जोड़ों के दर्द रोग प्रमुख हैं। छात्र एवं छात्राओं एवं जनसामान्य को योग जीवन शैली अपनाने तथा प्रतिदिन आसन, प्राणायाम, ध्यान तथा योगिक आहार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी तथा महामारी की तरह फैल रही इन बीमारियों से बचा जा सकता है। राजकीय आयुर्वेदिक कालेज प्राचार्य प्रो. माखनलाल ने कहा कि देखा देखी साधै जोग, छीजै काया बाढ़ै रोग। योग का अभ्यास किसी के सानिध्य में रहकर करना चाहिए तथा दिनचर्या को नियमित रखना चाहिए। शरीर मन तथा आत्मा का शुद्धिकरण किया जा सकता है ।

शिवम मिश्रा ने बताया कि योग एक ऐसी अवस्था है, जो जोड़ने का काम करती है। योग ऐसी विधा है जो व्यक्ति के अंदर निहित शक्तियों के द्वारा सामंजस्य स्थापित करता है। फैकल्टी के अधिष्ठाता प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर ने बताया कि योग विषय ना होकर एक जीवन पद्धति है। वियतनाम से आई योग विशेषज्ञ थी थान थुई ने बताया कि भारत की प्राचीन योग विद्या भारतीय विद्वानों द्वारा वियतनाम तक फैली जो वहां के जनसामान्य लोगों के स्वास्थ्य संवर्धन में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। वियतनाम के योग विशेषज्ञ फैम थी थान ने अपने संबोधन में कहा की योग शरीर को ही नहीं बल्कि मानसिक और संवेगिक रूप से मनुष्य को सशक्त बनाता है। वही वियतनाम से आए एक अन्य योग विशेषज्ञ लीन डाओ ने बताया कि वियतनाम में योग के बढ़ते विकास से जन सामान्य के साथ-साथ आज हजारों की संख्या में विद्यार्थी इस प्राचीन भारतीय परंपरा को अपना कर जीवन के प्रत्येक पहलू को सरल सहज एवं सबल बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

HINDUSTAN PAGE 8

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के पॉडकास्ट में अधिष्ठाता प्रवेश ने शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी

बीकॉम ऑनर्स, बीएससी की मांग 100 गुना बढ़ी

दाखिले

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय से इंटीग्रेटेड एलएलबी, बीकॉम ऑनर्स और बीएससी गणित व बीएससी बायो पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों की संख्या में बड़ा इजाफा दर्ज किया गया है। बीते पांच वर्षों में इंटीग्रेटेड एलएलबी पाठ्यक्रम में आवेदनों की संख्या 100 गुना बढ़ गई है।

इसकी जानकारी अधिष्ठाता प्रवेश प्रोफेसर पंकज माथुर ने दी। वह कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के पॉडकास्ट में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए उपस्थित थे। जिसका वीडियो कुलपति के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। इसमें अधिष्ठाता प्रवेश ने बताया कि बीते पांच वर्षों में प्रोफेशनल कोर्सों में ऑनलाइन आवेदन पत्रों की संख्या बढ़ गई है। इसके पीछे प्लेसमेंट और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मुख्य कारण है।

एलयू के प्लेसमेंट सेल की ओर से समय-समय पर मेघावी छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया जाता है। जहां उन्हें अपनी काबिलियत

के हिसाब से नौकरी मिल रही है। जिसका नतीजा है कि पिछले पांच साल में बीकॉम ऑनर्स की 180 सीट पर पांच हजार, बीएससी गणित की 480 सीट पर 5500 और बीएससी बायो में 280 सीट पर 4500 आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं। अधिष्ठाता प्रवेश प्रोफेसर पंकज माथुर ने कुलपति के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। इसमें अधिष्ठाता प्रवेश ने बताया कि बीते पांच वर्षों में प्रोफेशनल कोर्सों में ऑनलाइन आवेदन पत्रों की संख्या बढ़ गई है। इसके पीछे प्लेसमेंट और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मुख्य कारण है।

बताया कि 76 देशों से लगभग दो हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। अधिष्ठाता प्रवेश ने बताया कि विदेशी छात्रों को दाखिले आईसीसीआर के माध्यम से मिलता है। इसके अलावा वह सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में सीधे भी प्रवेश पा सकते हैं। एलयू में प्रवेश संबंधित किसी भी जानकारी के लिए वेबसाइट देखी जा सकती है।

05 साल में इंटीग्रेटेड लॉ में भी भारी मांग दर्ज हुई

■ कुलपति के यू-ट्यूब चैनल पर वीडियो अपलोड

प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अधिष्ठाता प्रवेश का कहना है कि 23 स्नातक और 71 परास्नातक कोर्स के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है। समर्थ पोर्टल के माध्यम से एडमिशन कर रहे हैं। एलयू और कॉलेजों में इसी से प्रवेश होंगे। बीएससी कृषि की 120 सीट पर भी दाखिले होंगे।

75 सौ सीटें एक लाख फॉर्म, बचे बच्चों का क्या

अधिष्ठाता प्रवेश से कुलपति ने पूछा कि स्नातक-परास्नातक मिलाकर लगभग 7500 सीट हैं। एक लाख फॉर्म आते हैं। बाकी बच्चों के लिए क्या प्रोग्राम है। प्रोफेसर माथुर ने जवाब दिया कि जिन अभ्यर्थियों को विवि के रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिलता है। वह ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं। जिनके यूजी व पीजी स्तर के कोर्स में मार्क और सिलेबर में ऑनलाइन प्रवेश लिए जाते हैं।

प्रवेश परीक्षा के लिए कोचिंग की जरूरत नहीं

कुलपति प्रोफेसर राय ने अधिष्ठाता प्रवेश से पूछा कि एलयू में दाखिले के लिए कोचिंग की जरूरत है क्या। इस पर प्रोफेसर माथुर ने जवाब दिया कि फंडामेंटल नॉलेज अच्छी है तो कोचिंग करने की जरूरत नहीं।

उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रोष्ठ ने डमी पेपर टाइप का पीडीएफ बनाकर वेबसाइट पर अपलोड कर रखा है। जिससे छात्रों को मदद मिलेगी। यूजी पाठ्यक्रमों में 12वीं स्तर और पीजी में यूजी कोर्स के हिसाब से प्रश्न पूछे जाते हैं। लॉ में जीएस के भी सवाल पूछे जाते हैं। प्रवेश परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग नहीं है।

फॉर्म भरते समय ध्यान रखें छात्र

1. आवेदन फॉर्म भरने से पहले एलयूआरएन पंजीकरण करें।
2. विवि की वेबसाइट पर दिए लिंक से ही फॉर्म भरें।
3. साइबर कैफे में फॉर्म भरते वक्त अपना ई-मेल भरें।
4. पूरा फॉर्म भरने के बाद सभी नामों की स्पेलिंग चेक करें।
5. त्रुटि होने पर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

आईटी कॉलेज

यूजी के ऑफलाइन आवेदन शुरू, 900 रुपये शुल्क

आईटी कॉलेज ने स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑफलाइन आवेदन शुरू कर दिए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी सुबह 10 से शाम चार बजे तक एडमिशन काउंटर से फॉर्म प्राप्त कर सकती हैं। शुल्क 900 रुपए तय किया गया है। कॉलेज में स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल 1440 सीट हैं। प्राचार्या प्रो. पैमी सिंह का कहना है कि ऑफलाइन फॉर्म का वितरण शुरू कर दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के लिए तैयारी जारी है। आगामी दो दिनों में वेबसाइट के माध्यम से भी आवेदन शुरू हो जाएंगे। एलयूआरएन पंजीकरण अनिवार्य है। कॉलेज में बीए रेगुलर की 320, बीए सेल्फ फाइनेंस 200, बीकॉम सेल्फ फाइनेंस 320, बीएससी पीसीएम रेगुलर 80 हैं।

क्रिश्चियन में आवेदन की शुरूआत कल से होगी

गोलागंज स्थित क्रिश्चियन डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो. नवीन सिंह के मुताबिक, शुक्रवार से छात्र-छात्राएं ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। आवेदन शुल्क 850 रुपए तय किया गया है। कॉलेज में बीए की 460, बीकॉम 260 रेगुलर, 180 सेल्फ फाइनेंस, बीएससी रेगुलर 500, बीएससी सेल्फ 200 और बीपीएड रेगुलर की 50 सीटें हैं।

अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में 26 से होंगे आवेदन

अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में 26 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन आरंभ किए जाएंगे। आवेदन शुल्क 900 रुपये होगा। जानकारी के अनुसार यहां बीए की 400, बीकॉम की 240, एमए अंग्रेजी 60, एमए राजनीति शास्त्र 50, एमए एजुकेशन 40 और एमए मियोलाजी में 40 सीटें हैं। अधिक जानकारी के लिए छात्राएं कॉलेज की वेबसाइट देख सकती हैं।

HT PAGE 5

'Yoga, a tool to manage lifestyle disorder, check diseases'

LUCKNOW: Yoga and Naturopathy can help manage lifestyle disorders and several diseases. This was underscored during a conference - 'Education and Naturopathy in India' organised by Faculty of Yoga and Alternative Medicine and Indian Yoga Federation at the second campus of Lucknow University on Wednesday.

The programme was presided over by Prof RAS Kushwaha, dean Student Welfare, King George's Medical University (KGMU) while Prof Makhan Lal, principal, Government Ayurvedic College was also present on the occasion.

Faculty coordinator Amarjeet Yadav said that education of yoga and naturopathy helps with personality development, health protection and health promotion. "The importance of yoga education has been emphasised in the National Education Policy (NEP) 2020," said Yadav.

Kushwaha said that the main cause behind various diseases is a wrong lifestyle. "Several people are facing problems like - high blood pressure, diabetes, obesity, insomnia, asthma and joint pain due to wrong lifestyle. Students and the public should adopt a yogic lifestyle and incorporate asanas, pranayam, meditation and a yogic diet daily," said Kushwaha. HTC

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि ने दी मृतकों को श्रद्धांजलि

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में मृतकों को लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के राधा कमल मुखर्जी सभागार में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा मे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। प्रो. राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार की यह शोक सभा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए वीभत्स आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति शोक व्यक्त करती है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर किया गया नृशंस आतंकी हमला अत्यंत ही निंदनीय है। लखनऊ विश्वविद्यालय परिवार इस दुर्घटना में मृत सभी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता है। यह सभा ईश्वर से प्रार्थना करती है कि पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।

योगाभ्यास किसी के सानिध्य में रहकर करना चाहिए : माखन लाल

लखनऊ। लविवि के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन एवं इंडियन योग फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतवर्ष में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा विषयक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आरएएस कुशवाहा डीन स्टूडेंट वेलफेयर के जीएमयू द्वारा की गयी, विशिष्ट अतिथि प्रो. माखन लाल प्राचार्य डीन, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज थे। संकाय के समन्वयक डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि भारतवर्ष के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं राज्य विश्वविद्यालयों सहित निजी विश्वविद्यालय में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की शिक्षा दी जा रही है। योग शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति निर्माण, स्वास्थ्य संरक्षण एवं स्वास्थ्य की उन्नति है।

वास्तु और ज्योतिष एक दूसरे के पूरक

लखनऊ। लविवि के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में बुधवार को विशिष्ट व्याख्यान सम्पन्न हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन की अध्यक्षता में वास्तुशास्त्र के शास्त्रीय सिद्धान्तों का व्यावहारिक उपयोग विषयक व्याख्यान किया गया। ज्योतिर्विज्ञान के संयोजक डॉ. सत्यकेतु द्वारा वास्तुशास्त्र के विशिष्ट वक्ता अजय गौर का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए वास्तुशास्त्र की महत्ता का प्रतिपादन किया। उन्होंने बताया कि वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग है। प्राचीन भारतीय ऋषि-मुनियों ने बहुत ही सूक्ष्मरूप से पंचतत्त्वों के शरीर एवं मन पर प्रभाव का अध्ययन कर इस शास्त्र का निर्माण किया है। अजय गौर ने कहा कि वास्तु और ज्योतिष एक दूसरे के पूरक है। उन्होंने कहा कि वास्तु में एक शब्द आता है दिक्काल यानि दिक और काल। दिक् का अर्थ होता है दिशा और काल का अर्थ होता है समय। ज्योतिष में समय का ज्ञान किया जाता है और वास्तु में दिशाओं पर अध्ययन किया जाता है।